2542

Second Year Arts Examination, 2017

PRAKRIT

Paper–II

(प्राकृत सट्टक गद्य एवं प्राकृतीकरण)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है :

इकाई-I

(i) कर्पूरमंजरी के नायक का नाम बताइये।

(ii) सट्टक परम्परा में आदि सट्टक कौन सा माना जाता है?

इकाई-II

(iii) सट्टक और नाटिका में प्रमुख दो अन्तर बताइये।

(iv) संस्कृत नाटकों में प्राकृत भाषा का प्रयोग किन पात्रों के लिए किया जाता है?

इकाई-III

(v) मूलदेव नामक कथा में गणिका (नायिका) का नाम क्या है?

(vi) मूलदेव कथा के आधार पर 'द्यूत' के दोषों को बताइये।

इकाई-IV

(vii) प्राकृत कथाओं के आदि स्त्रोत किन ग्रंथों को माना जाता है?

(viii) तरंगवइकहा के रचनाकार कौन हैं?

इकाई-V

(ix) प्राकृत में 'ऋ' के स्थान क्या-क्या परिवर्तन होते हैं? एक-एक उदाहरण भी दीजिए।

(x) प्राकृत प्रकाश किसकी रचना है?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नलिखित गाथा की व्याख्या कीजिए :

परुसा सक्कअबंधा पाउअबंधो वि होइ सुउमारो।

पुरिसमहिलाणं जेत्तिअमिहंतरं तेत्तिअमिमाणं।।

3. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए :

सहि विअक्खणे! अम्हाणं पुरदो तुवं गाढकइत्तणेणं गव्वुत्ताणा भोसि। ता पठ संपदं अज्जउत्तस्स पुरदो सअं कदं किं पि कव्वं। जदा तं कव्वं जं सहाए पठीअदि, तं सुवणणं जं कसवट्टिआए णिव्वउदि। सा घरिणी जा पदिं रंजेदि। सो पुत्तो जो कुलं उज्जलेदि।

इकाई-II

4. सट्टक के स्वरूप एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. महाकवि राजशेखर का परिचय दीजिए।

इकाई-III

6. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

निर्द्रव्यं पुरुषं त्यजन्ति गणिका भ्रष्टं नृपं सेवका:।
सर्व: कार्यवशाज्जनोऽभिरमते क: कस्य को वल्लभ:।।

7. मूलदेव कथा के आधार पर देवदत्ता का चरित्र-चित्रण कीजिए।

इकाई-IV

8. कहाणय अट्ठगं के रचयिता नेमिचन्द्र सूरि का परिचय दीजिए।

9. मूलदेवकथा की वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता को समझाइये।

इकाई-V

10. दीर्घ स्वरों का ह्रस्वीकरण किन स्थितियों में होता है। प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

11. अन्तिम व्यंजन के स्थान पर क्या-क्या परिवर्तन होते हैं। उदाहरण सहित समझाइये।

खण्ड-स

इकाई-I

12. सट्टक की सामान्य विशेषताओं के आधार पर कर्पूरमंजरी की श्रेष्ठता सिद्ध कीजिए।

इकाई-II

13. प्राकृत गद्य साहित्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए किन्हीं दो कथा-ग्रंथों का परिचय दीजिए।

इकाई-III

14. मूलदेव कथा के आधार पर मूलदेव का चरित्र-चित्रण कीजिए।

इकाई-IV

15. कथा के तत्त्वों के आधार पर मूलदेव कथा की समीक्षा कीजिए।

इकाई-V

16. प्राकृत-व्याकरण-ग्रंथ परम्परा पर प्रकाश डालिए।